

Amar Ujala 22.2.26

विद्यार्थियों को एआर- वीआर रोजगार अवसरों की दी जानकारी



एसडी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते विशेषज्ञ। कॉलेज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर टेक्निकल लेक्चर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इमर्सिव तकनीकों और उनके

शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा व गेमिंग क्षेत्रों में उपयोग से अवगत कराना था।

सत्र के रिसोर्स पर्सन राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सरवण सिंह रहे। उन्होंने एआर-वीआर के मूल सिद्धांत, नई प्रगति और करियर अवसरों पर जानकारी दी। ब्यूरो

Arth Parkash 22-2-26

भविष्य की तकनीक से रूबरू हुए एसडी कॉलेज के छात्र, एआर-वीआर पर टेक्निकल लेक्चर आयोजित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के डिप्टी डायरेक्टर (सिस्टम्स) डॉ. सरवण सिंह थे,



जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया।

उन्होंने एआर और वीआर के मूल सिद्धांतों, नई तकनीकी प्रगति और दवा, रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके उपयोग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और करियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र काफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा, जिसमें

छात्रों ने सवाल पूछकर और चर्चा में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

उन्होंने इस तरह के तकनीक से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि नई तकनीकों की जानकारी छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करती है।

भविष्य की तकनीक से रूबरू हुए एसडी कॉलेज के छात्र

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) के डिप्टी डायरेक्टर (सिस्टम्स) डॉ.



सरवण सिंह थे, जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया। उन्होंने एआर और वीआर के मूल सिद्धांतों, नई तकनीकी प्रगति और दवा, रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके उपयोग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और करियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र काफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा।

Chandigarh Bhaskar 22-2-26

भविष्य की तकनीक से रू-ब-रू हुए स्टूडेंट्स



चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) के डिप्टी डायरेक्टर (सिस्टम्स) डॉ. सरवण सिंह थे, जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया।

भविष्य की तकनीक से खबरू हुए एसडी कॉलेज के छात्र, एआर-वीआर पर टैक्निकल लैक्चर आयोजित

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 21 फरवरी :
जीजीडीएसडी कालेज सैक्टर 32 के
पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड
एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-
उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड
रियलिटी एआर और वर्चुअल
रियलिटी वीआर पर एक टैक्निकल
लैक्चर का आयोजन किया। इस
लैक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को
उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से
परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य,
उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके
वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे
में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र
के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीच्यूट
ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन
टेक्नोलॉजी एनआईईएलआईटी के
डिप्टी डायरेक्टर सिस्टम्स डॉ. सरवण
सिंह थे। जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं
तकनीकी रूप से समृद्ध लैक्चर प्रस्तुत
किया।

उन्होंने एआर और वीआर के मूल
सिद्धांतों नई तकनीकी प्रगति और दवा,
रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके
उपयोग के बारे में सरल तरीके से



लैक्चरर में हिस्सा लेते छात्र।

जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में
भविष्य के रुझानों और करियर के
अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र
क्वाफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा।
छात्रों ने सवाल पूछकर और चर्चा में
भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई।
यह इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.
अजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित
किया गया।

उन्होंने इस तरह के तकनीक से
जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित
करने के लिए विभाग की सहायता की

और कहा कि नई तकनीकों की
जानकारी छात्रों को भविष्य के लिए
तैयार करने में मदद करती है।
विभागाध्यक्ष डॉ.रीना ने आधुनिक
कंप्यूटिंग शिक्षा में एआर और वीआर
की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और
छात्रों को इस क्षेत्र में शोध एवं नवाचार
के लिए प्रेरित किया। लैक्चर का सफल
समन्वय डॉ. शैलजा अग्निहोत्री और
ओजस्वी आनंद द्वारा किया गया।
कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से
सुनिश्चित हुआ।

Dikya Himachal 22.2.26

एसडी कालेज के छात्रों ने जानी डिजिटल कम्प्यूटर तकनीक



चंडीगढ़। मुख्यातिथि डाक्टर सरवण सिंह को सम्मानित करने का दौर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी एआर और वर्चुअल रियलिटी वीआर पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एनआईई एलआईटी के डिप्टी डायरेक्टर सिस्टम्स डॉ. सरवण सिंह थे, जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया। उन्होंने एआर और वीआर के मूल सिद्धांतों, नई तकनीकी प्रगति और दवा, रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके उपयोग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और करियर के



अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र काफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा, जिसमें छात्रों ने सवाल पूछकर और चर्चा में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने इस तरह के तकनीक से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि नई तकनीकों की जानकारी छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करती है। विभागाध्यक्ष डा. नीना ने आधुनिक कम्प्यूटिंग शिक्षा में एआर और वीआर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और छात्रों को इस क्षेत्र में शोध एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया। लेक्चर का सफल समन्वय डा. शैलजा अग्निहोत्री और ओजस्वी आनंद द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें संसाधन व्यक्ति एवं सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक साबित हुआ।

भविष्य की तकनीक से रूबरू हुए एसडी कॉलेज के छात्र, एआर-वीआर पर टेक्निकल लेक्चर आयोजित

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के डिप्टी डायरेक्टर (सिस्टम्स) डॉ. सरवण सिंह थे, जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया।

उन्होंने एआर और वीआर के मूल सिद्धांतों, नई तकनीकी प्रगति और दवा, रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके



उपयोग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और करियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र काफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा, जिसमें छात्रों ने सवाल पूछकर और चर्चा में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने इस तरह के तकनीक से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि नई तकनीकों की जानकारी छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में

मदद करती है।

विभागाध्यक्ष डॉ.रीना ने आधुनिक कंप्यूटिंग शिक्षा में एआर और वीआर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और छात्रों को इस क्षेत्र में शोध एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया। लेक्चर का सफल समन्वय डॉ. शैलजा अग्निहोत्री और ओजस्वी आनंद द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें संसाधन व्यक्ति एवं सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

GGDSD College hosts lecture on AR and VR

Chandigarh: The Department of Postgraduate Computer Science and Applications at GGDSD College, Sector 32 organized a technical lecture on Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) under the PM-USHA scheme, aimed at introducing students to emerging immersive technologies and their real-world applications. The session was held to enhance students' understanding of AR and VR in sectors such as education, healthcare, industry, and research.

The lecture was delivered by Dr. Sarwan Singh, Deputy Director, Systems, National Institute of Electronics and Information Technology

Students gain insights into immersive technologies under PM-USHA scheme's skill-development initiative

(NIELIT). Dr. Singh provided an in-depth overview of AR and VR fundamentals, technological advancements, and practical applications in fields such as medicine, defense, and gaming. He also discussed future trends, research directions, and potential career opportunities, offering students valuable insights into immersive technologies.

The session was interactive, with students actively



Students participating in the lecture

participating by asking questions and engaging in discussions. The program was organized under the guidance of Dr. Ajay Sharma, who emphasized that awareness of new technologies equips students for future challenges. Department Head Dr. Reena highlighted the importance of

integrating AR and VR into modern computing education and encouraged students to pursue innovation and research in this field.

The lecture was successfully coordinated by Dr. Shailaja Agnihotri and Ojasvi Anand, ensuring smooth execution of the

program. A formal vote of thanks concluded the session, expressing gratitude to the resource person, faculty, and distinguished guests for their support.

The initiative provided postgraduate students with a practical understanding of immersive technologies, reinforcing the PM-USHA scheme's objective of promoting skill-based and educational programs. By combining theoretical knowledge with interactive discussions, the lecture offered students both technical insights and inspiration to explore AR and VR further, preparing them for emerging opportunities in higher education, research, and industry applications.